दिल्ली-राहुल विहार। नवनिर्मित सेवाकेन्द्र 'शिव शक्ति भवन' का उद्घाटन कलश यात्रा एवं परमात्म ध्वज फहराने के साथ किया गया। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए गाज़ियाबाद के विधायक अतुल गर्ग, सबज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु.अनु दीदी, मंडावली सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. सुनीता बहन, गाज़ीपुर सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. सुधा बहन तथा अन्य।

सादाबाद-उ.प्र.। शिव शक्ति भवन में 'एक संकल्प दया और करुणा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु.रुक्मिणी दीदी, माउण्ट आबू से गायक ब्र.कु.रमेश भाई, फर्रूखाबाद से ब्र.कु.शोभा बहन, हाथरस जनपद प्रभारी ब्र.कु.सीता बहन, मुरसान के पूर्व चेयरमैन गिर्राज किशोर शर्मा, भारतीय स्टेट बैंक मुरसान शाखा प्रबंधक शम्भू दयाल, समाजसेवी गीता गौड़, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.भावना बहन, मुरसान से ब्र.कु.बबिता बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

डिब्रूगढ़-असम। विश्व शांति भवन में 'सुखी और स्वस्थ जीवन का रहस्य' विषय पर आयोजित सेमिनार के दौरान मंचासीन हैं राजयोगिनी ब्र.कु.संतोष दीदी,डायरेक्टर, ब्रह्माकुमारीज़,सेंटर पीटर्सबर्ग रशिया, ब्र.कु. विनीता बहन, ब्र.कु.विधान भाई तथा अन्य।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में 'श्रेष्ठ कर्मों का आधार-श्रीमद्भगवद्गीता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए श्री ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी जी,जयराम आश्रम संस्थाओं के परमाध्यक्ष,पूर्व उपकुलपति उत्तराखंड विश्वविद्यालय, डॉ. प्रकाश मिश्रा,फाउंडर मातृभूमि सेवा मिशन, राजेंद्र राणा,क्यूरेटर श्री कृष्णा म्यूज़ियम, ब्रह्माकुमारीज़ भरतपुर प्रभारी एवं मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु.कविता दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरोज बहन तथा से.13 से ब्र.कु. शकुंतला बहन।

मुज़फ्फरनगर-उ.प्र.। 'दया और करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु.सुनीता बहन, ब्र.कु. जयंती बहन, ब्र.कु. लवली बहन, ब्र.कु. सुशांत भाई व मीडियाकर्मी।

भुवनेश्वर-अलारपुर(ओड़िशा)। 'रोल ऑफ मीडिया एंड सिविल सोसाइटी इन बिल्डिंग ए गोल्डन भारत' सेमिनार का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सन्नत मिश्रा सीनियर जर्नलिस्ट्स,जनरल सेक्रेटरी नेशनल जर्नलिस्ट वेलफेयर बोर्ड,ओडिशा स्टेट प्रेस क्लब, ब्र.कु. शुशांत,नेशनल को-ऑर्डिनेटर मीडिया विंग, ब्र.कु. पूनम बहन,फरीदाबाद एवं बी.जे.बी. नगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तपस्विनी बहन।

राजयोग से असंभव हुआ संभव

अनुभव

ब्र.कु. दर्शना बहन,मापुसा,गोवा

2003 में ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय से मेरा संपर्क ऐसे समय पर हुआ, जब मैं जीवन से बिल्कुल निराश हो गई थी। उस वक्त मैं एक आँगनवाड़ी शिक्षिका, ग्राम पंचायत सदस्य,महिला को-ऑपरेटिव सोसाइटी डायरेक्टर, गाँव-गाँव में महिला बचत गट स्थापन कर उनको अपने पैरों पर खड़ा करना, महिला परिषद जैसे सरकारी क्षेत्र की मदद से महिलाओं को अत्याचार से छुड़ाना, उनके पतियों को, बच्चों को नशा मुक्ति केंद्र से व्यसन मुक्त बनाना। इस तरह के समाज सेवा के कार्य में सदा व्यस्त रहते हुए भी खुद के शराबी पति के आगे बिल्कुल लाचार थी।

उनके व्यसनी होने से उनको अपने कार्यस्थल से निकाल दिया था। तीन छोटे बच्चों की ज़िम्मेवारी मुझ पर छोड़कर वो अपनी शराबी दुनिया में मस्त रहते थे। न परिवार की चिंता, न भविष्य की चिंता, न समाज की परवाह! रोज़-रोज़ गाली-गलोच करना, कभी रास्ते में गिरना, कभी गाड़ी से गिरना, कभी पंचायत कार्य हेतु घर में आये सभा में मुख्यमंत्री या अन्य महानुभावों का भी शराब पीकर अपमान करना। इस तरह के उनके गैर ज़िम्मेवार आचरण से सारा परिवार भयंकर परेशान था। उनके खुद के माँ-बाप के साथ मेरे मुख से या बच्चों के मुख से यही आता कि "ये मर जाता तो बहुत अच्छा होता।"

उन्होंने अपनी नाराज़गी दिखाने के लिए कई बार अपने बालों को नोच-नोच कर तोड़ दिया। क्रोध में आकर मेरे मुँह पर फेंके, पगार को आग लगा दी। कभी बच्चों ने उनकी मार-पीट की। एक बार तो क्रोधवश रोटी का पलटा गैस पर लाल-लाल करके उनकी छाती को जला दिया! परेशान होकर मैंने दो बार आत्महत्या का भी प्रयास किया,लेकिन बच्चों के बारे में सोचकर विचार बदल दिया। एक बार बच्चों को लेकर हमेशा के लिए घर छोड़ देने का निर्णय लिया, लेकिन जब ससुर जी ने ज़मीन पर बैठकर मेरे दोनों पैर पकड़कर, आँखों से आंसू बहाते न जाने की विनती की, तो यह विचार भी बदल दिया।

शराब छुड़ाने के लिए उन्हें डॉक्टर की दवाइयां दी, किसी महिला के शरीर में आने वाली देवी से भोजन में राख खिलाई, मुम्बई के मंदिर में मुर्गे की बली चढ़ाई, तीन महीने व्यसन मुक्ति केंद्र में भी भर्ती करवाया फिर भी कोई फायदा नहीं हुआ।

मैंने ब्रह्माकुमारी विद्यालय में सात रोज़ एक घंटे का राजयोग मेडिटेशन का कोर्स किया, उसमें मैंने आत्म शक्ति, परमात्म शक्ति और कर्मों की गुह्य गति को जाना। भगवान को याद कर सिर्फ संकल्प शक्ति से दूसरों को शक्तिशाली बनाने की विधि मैंने सीख ली। इसका प्रयोग अपने पति पर करना शुरू कर दिया।

रोज़ सवेरे चार बजे जब गहरी नींद में होते भी उनका अंतर्मन जागृत होने से, उसके बारे में हम जो भी संकल्प करते हैं वो उनके मन-बुद्धि तक पहुँचते हैं और रोज़-रोज़ ऐसा करने से मनुष्य वैसा ही व्यवहार करने लगता है।

अब रोज़ सवेरे वो जहाँ भी सोते थे, वहाँ मन-बुद्धि से उनका चित्र देखकर, उनके मस्तक में बिंदु स्वरूप आत्मा को देखकर संकल्प देना शुरू किया।

कॉमेंट्री-

देखो मैं एक ज्योति बिन्दु आत्मा हूँ, वैसे ही तुम भी एक आत्मा हो... देखो अपने मस्तक में... जैसे मैं परमात्मा का बच्चा हूँ...परमधाम से इस दुनिया में उतरे हैं...तुम भी परमात्मा के बच्चे हो... इस देह से बिल्कुल अलग हो, एक चैतन्य शक्ति हो... मुझे पता है कि सृष्टि के रंगमंच पर जन्म-मरण के चक्र में आते मैंने किसी जन्म तुम्हें बहुत सताया था, दुःख दिया था, इसलिए अब तुम मुझे सता रहे हो... हे आत्मा मैं आपसे क्षमा माँगती हूँ... मुझे माफ कर दो... मैं भी तुम्हे माफ कर देती हूँ। अब जल्दी जागो, उठो... चलो हम घर को स्वर्ग बनायें... परमात्म छत्रछाया से जीवन को खुशहाल बनायें।

ऐसे संकल्प भेजते हुए मैं अनुभव करती थी कि जैसे उनके मस्तक पर भगवान की शक्तिशाली किरणें फैल रही हैं... पिता परमात्मा से आ रही प्रेम की, सुख-शांति की, पवित्रता की किरणों से वो भरपूर हो रहे हैं... दया-करुणा के सागर अपने पिता से मिलकर वो तृप्त हो रहे हैं... इस तरह करीबन तीन महीने गुज़र गए। उनके संस्कारों में थोड़ा-सा परिवर्तन दिखने लगा, तो मैंने भी हिम्मत कर एक दिन धीरे से पूछा "क्या आप सात दिन का कोर्स करेंगे?" उन्होंने तुरंत धीमी आवाज़ में हाँ बोला। कहते हैं ना कि बीज बोने से पहले धरनी को तैयार करो। तो रोज़ के प्रयोग से उनके जीवन रूपी धरनी पर शुद्ध संकल्पों के बीज असर कर गए।

बस! फिर तो क्या कमाल हो गई! जिस दिन से उन्होंने कोर्स शुरू किया, उसी दिन से शराब पीना बंद हो गया। अन्न का शुद्धिकरण होता गया। कहते हैं ना, "जैसा अन्न वैसा मन"। संस्कार तो ऐसे बदल गए कि उनके मित्र-परिवार सब दंग रह गये। इस राजयोग का, इस विद्यालय का लक्ष्य ही है मनुष्य को देवता समान खुशी देने वाला बनाना।

आज वो हमारे घर के सामने जो गीता पाठशाला है उसमें आने वालों को ज़रूरत पड़ने पर जीवन को पलटाने वाले ईश्वरीय महावाक्य सुनाते हैं। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के ईश्वरीय कार्य में हर समय मददगार बनकर रहते हैं। आज हर कोई उनका सम्मान करता है।

भगवान उन्हें लंबी आयु दे। सदा खुश रहें! भगवान से रिश्ता जोड़ें, तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। बस, जैसे मेरा घर नर्क से स्वर्ग बना वैसे ही राजयोग के अभ्यास से घर-घर स्वर्ग बन जाए। इसी शुभकामना के साथ विराम देती हूँ।

शिमला-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज शिमला के ऑडिटोरियम में सभी डॉक्टर्स एवं एमबीबीएस के छात्रों का विशेष कार्यक्रम रखा गया जिसमें 400 मेडिकल कॉलेज विद्यार्थी तथा अध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण भाई ने 'तनाव प्रबंधन' विषय पर सम्बोधित किया।

गिरवार-राज.। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बच्चों को मेडिटेशन सेल्फ मोटिवेशन और सेल्फ केयर के बारे में समझाकर स्वेटर वितरित करते हुए ब्र.कु.रमेश,रेडियो मधुबन, ब्र.कु. राहुल सिविल इंजीनियर, ब्र.कु. हरप्रीत बहन एवं जीजा माता जी। इस दौरान स्कूल के प्रिंसिपल प्रवीण जी, टीचर्स प्रतिमा सहित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

सोनीपत सेक्टर-15(हरियाणा)

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राजकीय रामजस स्कूल में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.प्रमोद बहन। कार्यक्रम में उपस्थित रहे रामजस स्कूल के मालिक सुनीता शर्मा, प्रिंसिपल जसपाल, पर्यावरण एक्टिविस्ट मनीष, सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण मौजूद रहे।